

क्यों डरू जब हाथ मेरा श्याम के हाथों में है भजन लिरिक्स



भक्तों की बिगड़ी बनाना,
श्याम के हाथों में है,
क्यों डरू जब हाथ मेरा,
श्याम के हाथों में है।bd।

तर्ज - हर कर्म अपना करेंगे।

तेरी नैया तू ही खिचैया,
तू ही पालनहार है,
बेफिक्र हूँ मैं मौज में,
तू जो तारणहार है,
अब डुबोना या बचाना,
श्याम के हाथों में है,
क्यों डरू जब हाथ मेरा,
श्याम के हाथों में है।bd।

खेल डाले दाव सारे,
मैंने तेरे नाम पे,
है यकीं पूरा मुझे तो,
खाटू वाले श्याम पे,
हारी बाजी को जिताना,
श्याम के हाथों में है,
क्यों डरू जब हाथ मेरा,
श्याम के हाथों में है।bd।

है नहीं चाहत 'सचिन' की,
मतलबी संसार से,
जो भी माँगा पा लिया है,
श्याम के दरबार से,
मेरी खुशियों का खजाना,
Bhajan Diary Lyrics,
श्याम के हाथों में है,
क्यों डरू जब हाथ मेरा,
श्याम के हाथों में है।bd।



भक्तों की बिगड़ी बनाना,
श्याम के हाथों में है,
क्यों डरूं जब हाथ मेरा,
श्याम के हाथों में है।

Singer – Raju Mahraj Pagal
